

शासकीय सेवकों के क्षमता निर्माण में आईगॉट कर्मयोगी की प्रासंगिकता का अध्ययन

डॉ. राजकुमार बंजारे

सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

सारांश :- 21वीं सदी के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं मानसिकता के अनुरूप प्रशासन में पारदर्शिता जवाबदेहीता एवं जन केन्द्रीत प्रशासन की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप शासकीय सेवकों को निरंतर अपने क्षमता निर्माण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत शासन द्वारा मिशन कर्मयोगी के माध्यम से आई गॉट कर्मयोगी (एकीकृत राष्ट्रीय ऑनलाइन डिजिटल प्रशिक्षण पटल) प्रारंभ किया गया। जो शासकीय सेवकों को उनकी भूमिका के अनुरूप सतत सुलभ तकनीकी आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र में आईगॉट कर्मयोगी की अवधारणा विकास कार्यप्रणाली तथा वर्तमान में शासकीय जन केन्द्रीत सेवा विस्तार को सुदृढ़ करने में इसके प्रभाव का प्रासंगिक अध्ययन किया गया है।

छोटा शब्द :- मिशन कर्मयोगी, आईगॉट कर्मयोगी, क्षमता निर्माण, शासकीय सेवक, जनकेन्द्रीत सेवा एवं डिजिटल पटल।

I. प्रस्तावना

वैश्वीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा आधारित निर्णय तथा नागरिकों की बढ़ती जन अपेक्षाओं ने प्रशासन के समक्ष एक नई अवसर एवं चुनौतियां प्रस्तुत किये हैं। वर्तमान सुशासन एवं जन अपेक्षाओं के अनुरूप कर्मचारी से कर्मयोगी बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने सितंबर 2020 में मिशन कर्मयोगी की शुरुवात की जो राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। इसी के अंतर्गत 8 अगस्त 2022 को आई गॉट कर्मयोगी (एकीकृत राष्ट्रीय ऑनलाइन डिजिटल प्रशिक्षण पटल) का शुभारंभ किया गया। जिसके माध्यम से प्रत्येक शासकीय सेवक अपनी उत्तरदायित्व एवं भूमिका के अनुरूप निरंतर कभी भी कभी भी डिजिटल माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। आईगॉट कर्मयोगी मंच की उपयोगिता दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। जिसके माध्यम से दिनांक 31.07.2026 की स्थिति में 23 भाषाओं में 5623 पाठ्य उपलब्ध है, जिसमें कुल 17021515 कर्मयोगी पंजीकृत है। शासकीय सेवकों के कार्यक्षमता, ज्ञान, कौशल व्यवहारिक दृष्टिकोण बढ़ाने पर केन्द्रित, सुशासन, डिजिटल भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 जैसी राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारों के शासकीय सेवकों के क्षमता निर्माण में आई गॉट कर्मयोगी कितना प्रासंगिक है का रेखांकन उक्त शोध पत्र के माध्यम से किया गया है।

II. अध्ययन का औचित्य

वर्तमान परिदृश्य में प्रशासन की क्षेत्र में तीव्र गति से बदलाव हो रही, तकनीकी, प्रगति, ई-गवर्नेंस, सुशासन एवं जन अपेक्षाओं ने शासकीय सेवकों की कार्य क्षमता को प्रभावित किया है। अब शासकीय सेवकों की भूमिका मात्र नीतियों का क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है। बल्कि सुशासन के संवाहक, नवाचार कार्य तथा जन केन्द्रित सेवा प्रदाता

के रूप में बदल गया है। आईगॉट कर्मयोगी नियम आधारित कर्मचारी से भूमिका आधारित कर्मयोगी बनाने में कितना प्रासंगिक है का अध्ययन के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में ऑनलाइन प्रशिक्षण को और अधिक बढ़ावा देगा यही इस अध्ययन का अकादमिक औचित्य होगा।

III. अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र शासकीय सेवकों के क्षमता निर्माण में आईगॉट कर्मयोगी की प्रासंगिकता का अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं—

- 1.आईगॉट कर्मयोगी की आवश्यकता क्यों पड़ी का अध्ययन करना ।
- 2.आईगॉट कर्मयोगी शासकीय सेवकों के क्षमता निर्माण में कितना प्रासंगिक है का अध्ययन करना ।
- 3.आईगॉट कर्मयोगी डिजिटल प्रशिक्षण से शासकीय सेवकों की कार्य-कुशलता एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार हो रहा कह नहीं का अध्ययन करना ।
- 4.आईगॉट कर्मयोगी का जितना प्रचार-प्रसार किया जा रहा है क्या वास्तव में उतना उपयोगी है कि नहीं का अध्ययन करना ।

अध्ययन की विषय वस्तु :- प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन की विषय वस्तु के रूप में शासकीय सेवकों के क्षमता निर्माण में आई गॉट कर्मयोगी की प्रासंगिकता का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन का उपकरण :- प्रस्तुत शोध पत्र में तथ्य संकलन के लिए प्रमुखतः द्वितीयक स्रोत के उपकरण पुस्तकें पत्र-पत्रिकाएँ ऑनलाइन सरकारी रिकार्ड, इंटरनेट का प्रयोग किया गया है। एवं आवश्यकतानुसार प्राथमिक स्रोत के उपकरण साक्षात्कार व अवलोकन जिसमें स्वयं प्रशिक्षण में भाग लेकर गुणात्मक तथ्य प्राप्त किया गया है।

अध्ययन की परिकल्पना :- प्रस्तुत शोध पत्र के प्रमुख परिकल्पना निम्न है :- आईगॉट कर्मयोगी शासकीय सेवकों के कार्यकुशलता ज्ञान, कौशल व व्यवहारिक जनकेन्द्रित सेवा प्रदान करने के लिए क्षमता निर्माण का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

IV. आईगॉट कर्मयोगी की आवश्यकता

20वीं सदी के परंपरागत प्रशिक्षण प्रणाली 21वीं सदी के प्रशासनीक व्यवस्था के अनुकूल नहीं रहा। परंपरागत नियम आधारित प्रशिक्षण का उद्देश्य नियुक्तिया एवं पदोन्नति के लिए सीमित संख्या में होती थी। वर्तमान में विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप प्रशासन की मजबूत ढांचा तैयार करने के लिए मिशन कर्मयोगी सुशासन,

ई-गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता साइबर सुरक्षा एवं डेटा आधारित निर्णय जैसी नई अवधारणा के अनुरूप सतत्, सरल तरीके से आजीवन, विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों तक एक समान गुणात्मक पूर्ण प्रशिक्षण पहुँचाने के लिए आईगॉट कर्मयोगी एकीकृत राष्ट्रीय डिजिटल प्रशिक्षण मंच की आवश्यकता पड़ी।

आईगॉट कर्मयोगी की अवधारणा :- आईगॉट कर्मयोगी एकीकृत राष्ट्रीय डिजिटल प्रशिक्षण पटल है। जिसके माध्यम से शासकीय सेवकों को उनकी भूमिका एवं क्षमता के अनुकूल सतत्, सरल एवं स्वगति से पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे वह कहीं भी कभी भी डिजिटल माध्यम से सीखने की सुविधा कम खर्च व कम समय में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण एवं जनकेन्द्रित सेवा संबंधी क्षमता का विकास कर सके।

आईगॉट कर्मयोगी का विकास :- केन्द्र सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी से उत्पन्न व्यवधानों वाली चुनौतियों से निपटते हुए आर्थिक, सामाजिक विकास के लिए शासकीय सेवकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 2 सितंबर 2020 में केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा मिशन कर्मयोगी की स्वीकृति प्राप्त हुआ। जो राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। जिसके अंतर्गत सभी स्तर के शासकीय सेवक अपनी ज्ञान, कौशल एवं कार्य व्यवहार में सतत् विकास कर उत्तरदायी, पारदर्शी, समयबद्ध एवं जनकेन्द्रीत सेवाएँ प्रदान कर सके। मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 8 अगस्त 2022 में संचालित आई गॉट कर्मयोगी (एकीकृत राष्ट्रीय डिजिटल प्रशिक्षण पटल) है। जिसमें देश के 23 भाषाओं के लगभग 5623 से अधिक ई-लार्निंग पाठ्यक्रम विडियो व्याख्यान, प्रमाण पत्र के लिए मूल्यांकन पर क्षमता आधारित डिजिटल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

आईगॉट कर्मयोगी की प्रासंगिकता :- 21वीं सदी की जनअपेक्षा एवं सुशासन, डिजिटल भारत व विकसित भारत 2047 के परिपेक्ष्य में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत 8 अगस्त 2022 को आरंभ किया गया आई गॉट कर्मयोगी शासकीय सेवकों को परंपरागत नियम आधारित प्रशासन से वर्तमान भूमिका आधारित प्रशासन की ओर रूपान्तरण एवं सशक्तिकरण कर कर्मचारी को कर्मयोगी बनाने के लिए, शासकीय सेवकों में योग्यता आधारित क्षमता का निर्माण कर नया भारत के लिए संकल्पित मिशन 2047 विकसित भारत निर्माण के लिए एक उपयोगी डिजिटल पटल है।

आईगॉट कर्मयोगी में 23 भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाले भारतीय संस्कृति और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए ज्ञान, कौशल, व्यवहारिक दृष्टिकोण एवं कार्यान्वयक क्षमता विकास के लिए 5623 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध है। जिसमें आधुनिक तकनीकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता डेटा एनालिसिस आदि प्रासंगिक कंटेंट भी उपलब्ध है। प्रशिक्षण के दौरान शासकीय सेवकों के प्रदर्शन का निरंतर निगरानी और मूल्यांकन होते रहता है। जो उनके सीखने की प्रगति को मापने और सुधारने में मदद करता है। अंत में प्रशिक्षण के बाद आंतरिक

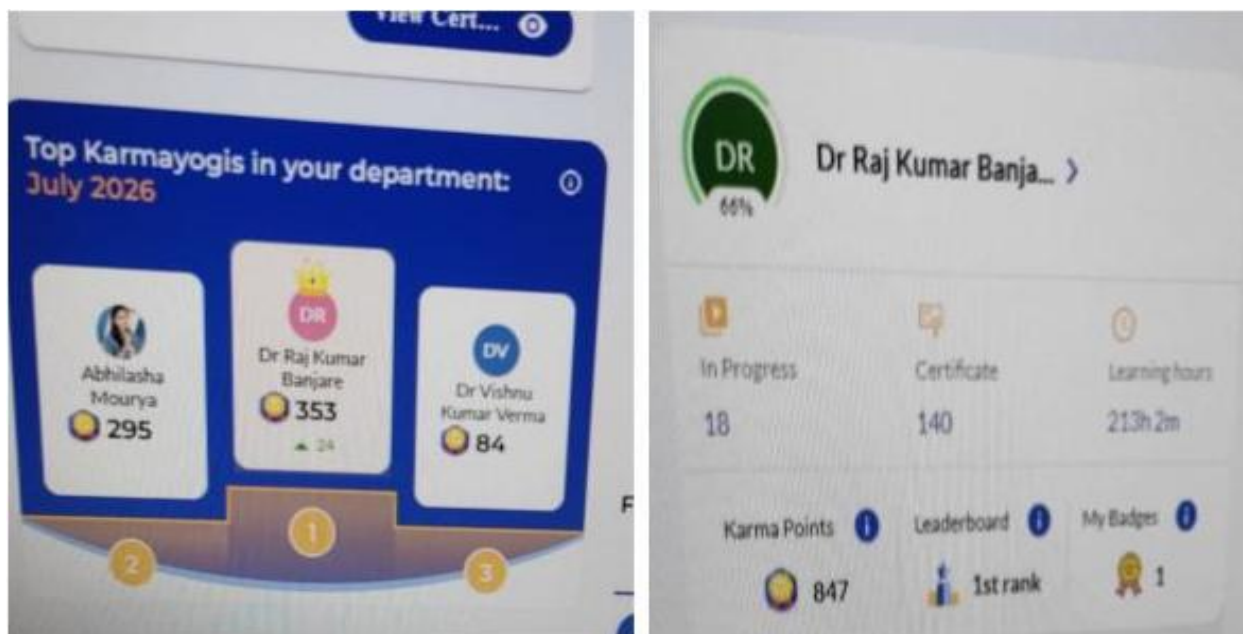
मूल्यांकन के आधार पर प्रमाण पत्र दिया जाता है, जो उनके प्रशिक्षण एवं क्षमता को प्रमाणित करता है।

पारंपरिक प्रशिक्षण प्रणाली की सीमाएँ सीमित प्रशिक्षण का अवसर समय व संसाधनों की कमी को दूर करते हुए कर्मचारी को कर्मयोगी सेवाभाव व्यवहार दाता बनाने के लिए आई गॉट कर्मयोगी केन्द्र एवं राज्य स्तर के शासकीय सेवकों को अपनी भूमिका आधारित ज्ञान कौशल एवं व्यवहार में सतत् विकास करने के लिए अपने सेवा काल में आजीवन समय व सुविधा के अनुसार कहीं भी कभी भी डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर सुशासन में डिजिटल सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी क्षमता का विकास कर जनकेन्द्रीत प्रशासन के लिए गुणवत्ता जावबदेही एवं पारदर्शिता प्रशसनीक व्यवस्था बनाकर विकसित भारत के निर्माण के लिए सक्षम, दक्ष एवं भूमिका आधारित उत्तरदायी शासकीय सेवकों के निर्माण में आई गॉट कर्मयोगी का प्रभाव प्रासंगिक बनते जा रहा है।

V. प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव

आईगॉट कर्मयोगी के प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने भी अपने राज्य के शासकीय सेवकों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य किया। आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अपने विभागीय शासकीय सेवकों को आई गॉट कर्मयोगी पटल के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अप्रैल 2026 में आदेश निकाला। आदेशानुसार हमारे महाविद्यालय में कार्यरत 100 शासकीय सेवकों ने अधूरे मन से आई गॉट कर्मयोगी पटल पर पंजीयन करा कर प्रशिक्षण प्रारंभ किये। आईगॉट कर्मयोगी के बारे में जाने तब हमें यह आधुनिक और उपयोगी डिजिटल प्रशिक्षण पटल के रूप में समझ आया, प्रारंभ में ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रक्रिया को समझने में थोड़ी कठिनाई महसूस हुई। पर धीरे-धीरे डिजिटल पटल को विभिन्न विकल्पों और सुविधाओं की जानकारी होने लगी पाठ्यक्रमों को व्यवस्थित रूप से पुरा करने के बाद हमें यह अनुभव हुआ की डिजिटल माध्यम से भी प्रभावी ढंग से ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम रुचिकर होने से सभी को प्रशिक्षण प्राप्त करने में मजा आया और प्रशिक्षण कार्यक्रम पर सभी का अनुभव अच्छा रहा।

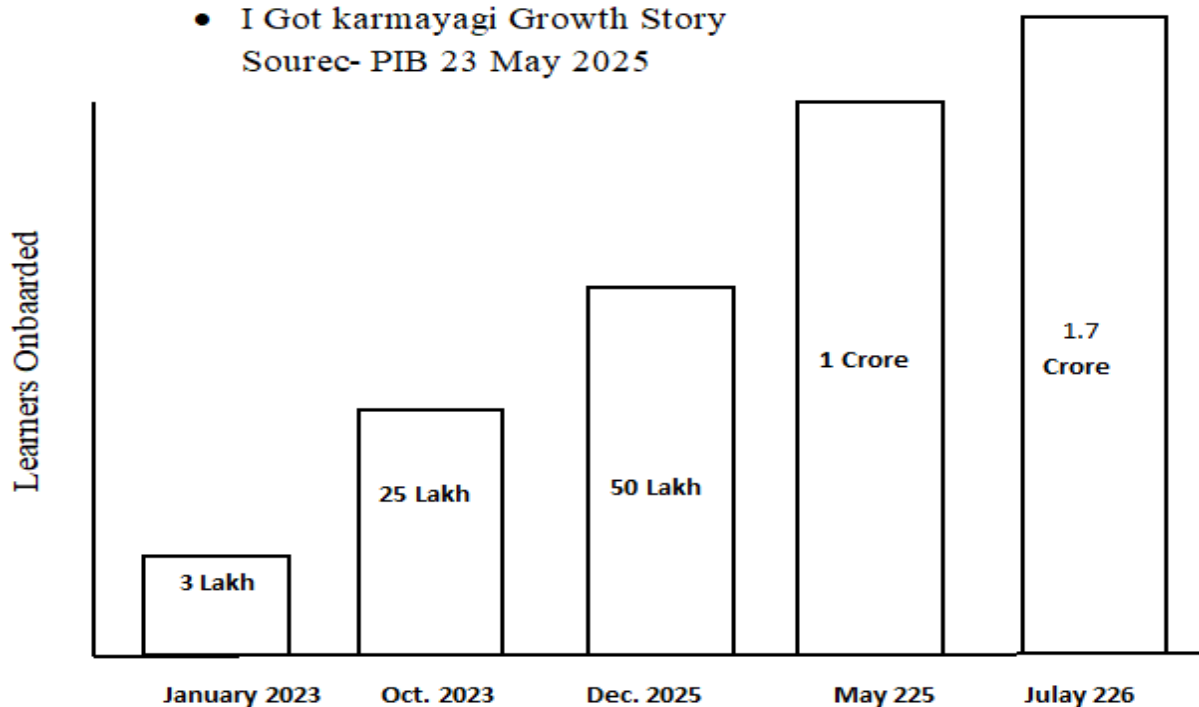
इसी क्रम में मेरा प्रशिक्षण प्रगति पर है। अप्रैल से जुलाई 26 तक आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल पर मेरी गतिविधियों में 11 पाठ्यक्रम प्रगति पर है। कुल 213 घंटे 2 मिनट सीखने की अवधि में विभिन्न पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर कुल 140 प्रमाण पत्र प्राप्त किया हूँ। कुल कर्म अंक 847 है, एक बैज प्राप्त हुआ है, एवं जुलाई 26 में लीडर बोर्ड रैंक प्रथम है। आई गॉट कर्मयोगी मेरे लिए एक उपयोगी प्रभावी एवं प्रेरणा दायक डिजिटल पटल साबित हुआ है। मेरा विश्वास है कि यदि प्रत्येक शासकीय सेवक इस पटल द्वारा नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करे तो प्रशासन की गुणवत्ता, कार्यकुशलता तथा जन अपेक्षाओं में उल्लेखनीय सुधार संभव है।



आईगॉट कर्मयोगी से मेरा कार्यक्षमता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। मेरा मानना है कि इस डिजिटल पटल का उपयोग कर शासकीय सेवक अपने ज्ञान, कौशल एवं दृष्टिकोण में परिवर्तन कर अपनी

प्रशासनीक भूमिका को अधिक प्रभावी उत्तरदायी एवं जन केन्द्रीत बना सकता है। जिसका दीर्घकालीन प्रभाव अच्छा पड़ेगा।

• **I Got karmayagi Growth Story**
Sourec- PIB 23 May 2025



उपरोक्त ग्राफ में उल्लेखित आकड़े से आईगॉट कर्मयोगी की प्रासंगिकता स्पष्ट हो रहा है। इस डिजिटल पटल पर जनवरी 2023 में मात्र 3 लाख कर्मयोगी पंजीकृत थे जो बढ़ते-बढ़ते वर्तमान जुलाई 2026 में 1.7 करोड़ को पार कर गई है। दिनांक 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 23 भाषाओं में 5623 पाठ्यक्रम उपलब्ध है जिसमें कुल

17021515 कर्मयोगी पंजीकृत है, 143210595 कर्मयोगी प्रशिक्षण पूर्ण कर लिए हैं, 1399363 मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। जिन्हें प्रशिक्षण उपरांत उसी दिन प्रमाण पत्र जारी किये जाते हैं।

आईगॉट कर्मयोगी की चुनौतियां :- केन्द्र और राज्य सरकार के सभी शासकीय सेवकों को प्रशिक्षण देना और उनका मूल्यांकन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। राज्यों की क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक भिन्नता, शासकीय सेवकों की अलग-अलग जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण कर प्रशिक्षण देना भी एक कठिन कार्य है। सभी शासकीय सेवकों के पास डिजिटल प्रशिक्षण के लिए समान तकनीकी और डिजिटल क्षमता का अभाव होना भी एक चुनौती है। प्रेरणा की कमी प्रशिक्षण को केवल औपचारिक माना जा रहा है। इसे पद्धतिगत वेतन वृद्धि में महत्व देकर इस चुनौती को दूर किया जा सकता है।

उपरोक्त चुनौतियों के बावजूद भी केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी स्तरों की शासकीय सेवकों की सहभागिता और क्षमता निर्माण आयोग की प्रभावी निगरानी से यह मिशन शासकीय सेवकों की भूमिका आधारित गुणवत्ता पूर्णक जनकेन्द्रीत सेवा वितरण और आर्थिक विकास के लिए मिल का पत्थर साबित हो रहा है।

VI. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र से प्राप्त निष्कर्ष उपलब्ध स्रोतों की विश्वसनीयता एवं अद्यतन जानकारी पर आधारित है। आईगॉट कर्मयोगी शासकीय सेवकों में भूमिका आधारित नागरिक क्षमता विकास के लिए एकीकृत राष्ट्रीय ऑनलाइन डिजिटल प्रशिक्षण पटल है। जो स्वयं सीखने, नेटवर्क बनाकर अपना क्षमता बढ़ाने के लिए अपने दैनिक जीवन को प्रभावित किये बिना सतत् सुलभ तरीके से कहीं भी कभी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने ज्ञान, कौशल एवं व्यवहारिक जन केन्द्रीत सेवा प्रदाता के साथ-साथ विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को मूर्तरूप देने के लिए यह एक सार्थक पटल परिलक्षित हो रहा है।

आईगॉट कर्मयोगी एक डिजिटल प्रशिक्षण पटल ही नहीं बल्कि यह शासकीय सेवकों को आजीवन सीखने की संस्कृति विकसित करने का एक प्रभावी माध्यम है। जिसके माध्यम से शासन की नई नीतियों, सुशासन, नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डेटा विश्लेषण से संबंधित महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों की प्रभावी एवं रोचक जानकारी उपलब्ध है जिसका दीर्घकालीन प्रभाव बहुत प्रासंगिक रहेगा।

संदर्भ ग्रंथ

- [1] क्षमता निर्माण आयोग की वार्षिक रिपोर्ट 2022
- [2] मिशन कर्मयोगी ई-बुक
- [3] संयुक्त राष्ट्र ई-गवर्नमेंट सर्वेक्षण 2022
- [4] संसदीय प्रश्न, कार्मिक लोक, शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, मिशन कर्मयोगी 31 जुलाई 2026
- [5] आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल
- [6] Test book com. IGOT
- [7] 7. Internet
- [8] 8. WWW. dirties. com
- [9] 9. WWW. Csirhrdc res.in
- [10] 10. PIB Delhi